EDUINDEX

PUBLICATION CERTIFICATE

This publication certificate has been issued to

Dr. Sanjivani Rajesh Mahale

For publication of research paper titled

शोध निबंध : समावेशी शिक्षा में सामंजस्य का महत्त्व - एक अध्ययन

Published in *Drishtikon with ISSN 0975-119X*

Vol. *12* **Issue** *7* **Month** *May* **Year** *2020*

Impact Factor *5.60*

The journal is indexed, peer reviewed and listed in UGC Care.

SK Sharma

Editor

Note: This eCertificate is valid with published papers and the paper must be available online at the website under the network of EDUIndex. For cross check you can contact at editor@eduindex.org

2020

Drishtikon
(UGC Care Journal)

ISSN 0975-119X
Vol-12-Issue-7, May-2020

शोध निबंध : समावेशी शिक्षा में सामंजस्य का महत्त्व - एक अध्ययन

Vidyadevi Bhila Bagul
Ph.D. (Scholar)
Yashwantrao Chavan
Maharashtra Open University, Nashik
vidyadevibagul@gmail.com

Dr. Sanjivani Rajesh Mahale
Associate Professor,
Yashwantrao Chavan
Maharashtra Open University, Nashik
sanjivanirmahale@gmail.com

सारांश

हर देश के विकास की आधारशिला शिक्षा होती है| जिससे समाज की जरुरतों को ध्यान मे रखकर उसकी रचना की जाती है| समाज की जरुरतों के साथ-साथ शिक्षा व्यवस्था में मानव को जीवन जीने का कौशल्य भी प्राप्त होता है| लेकिन धरती पर जन्मा हर एक व्यक्ती शारीरिक, मानसिक रुपसे अलग-अलग है| शिक्षा द्वारा सभी बालको के संपूर्ण विकास के साथ-साथ उनमें सकारात्मक विचारशैली, वैज्ञानिक दृष्टिकोन, समता और बंधुभाव जैसे मूल्य भी दिए जाते है| बालकों के शारीरिक व्यंग को ध्यान में न रखते हुए उन्हें मुख्यधारा में लाना जरुरी है| इसलिए 'पृथक्करण अथवा अलगाव' की नीती न तो असमर्थ बालकों के लिए उपयोगी है और ना ही सामान्य बालकों के लिए (राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेषा २००५) युनेस्कोने अपने आंतरराष्ट्रीय शैक्षिक सम्मेलन २००८ मे समावेशी शिक्षा का परम ध्येय सभी प्रकारके विभेदीकरण को समाप्त

Copyright©authors